25, 26,27-04-2024

नगर छाया समाचार

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान और एडवांटा सीड्स ने महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर किए हस्ताक्षर

कानपुर (नगर छाया समाचार)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर और एडवांटा सीड्स, हैदराबाद ने बीते दिन एनएसआई कानपुर में एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। प्रो. डी. स्वाईन, निदेशक, राष्ट्रीय सरकार संस्थान, कानपुर एवं जैव रसायन विभाग प्रमुख, प्रो. (डॉक्टर) श्रीमती सीमा परोहा और डॉक्टर विलास टोनापी, तकनीकी सलाहकार, एडवांटा सीड्स, हैदराबाद की गरिमामयी उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर हुये। इस अवसर पर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के अधिकारी और एडवांटा सीड्स, हैदराबाद के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

एमओयू की शर्तों के अनुसार राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर और एडवांटा सीड्स हैदराबाद विविध अनाजों से अल्कोहल बनाने के लिए विकल्प के रूप में स्वीट सोरगम और ग्रेन सोरगम के प्रयोग पर सहयोगात्मक अध्ययन करेंगे। इस कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के फॉर्म में स्वीट सोरगम का उत्पादन करना और इसके विभिन्न भौतिक, रासायनिक मापदंडों का अध्ययन करना तथा स्वीट सोरगम और ग्रेन सोरगम के रस से जैव एथेनॉल उत्पादन की क्षमता का अध्ययन करना शामिल होगा। इस सहयोगात्मक अनुसंधान में ग्रेन सोरगम का बीयर उत्पादन की क्षमता के लिए भी अध्ययन किया जाएगा। यह एमओयू भविष्य के लिए एक स्थायी जैव ईंधन की दिशा में विकल्प के रूप में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भारत सरकार के एक अभियान एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल कार्यक्रम के तहत देश में पेट्रोल में एथेनॉल के 20त मिश्रण के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद कर सकता है। यह कार्यक्रम अंतरर्राष्ट्रीय मुद्रा बचाने एवं पेट्रोल के आयात में कमी लाने के लिये भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, जिसके तहत लक्ष्य की प्राप्ति पर सरकार काफी जोर दे रही है।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर के निदेशक प्रोफेसर डी. स्वाईन ने संस्थान और एडवांटा सीड्स के बीच संयुक्त रूप से अनुसंधानपरक कार्य के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रो. सीमा परोहा ने एडवांटा सीड्स, हैदराबाद से पधारे वैज्ञानिकों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

दैनिक अमर उजाला

स्वीट और ग्रेन सोरगम से बनेगी अल्कोहल, एथेनॉल और बियर

एनएसआई और एडवांटा सीड्स के बीच करार के दौरान मौजूद अधिकारी। संवाद

कानपुर। स्वीट सोरगम और ग्रेन सोरगम से अल्कोहल, एथेनॉल और बियर बनाई जाएगी। इस संबंध में नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट और हैदराबाद के संस्थान एडवांटा सीड्स के बीच करार हुआ है। दोनों संस्थान मिलकर स्वीट सोरगम तथा विभिन्न अनाजों से अल्कोहल, एथेनॉल बनाने के लिए अध्ययन करेंगे। करार की शर्तों के अनुसार एनएसआई के फार्म में विभिन्न भौतिक, रासायनिक मापदंडों का अध्ययन किया जाएगा।

ग्रेन सोरगम से बियर उत्पादन की क्षमता पर अध्ययन किया जाएगा। एनएसआई के निदेशक प्रोफेसर डी. स्वेन ने बताया कि यह जैव ईंधन का विकल्प तैयार करने के संबंध में महत्वपूर्ण कदम है। पेट्रोल में एथेनॉल के मिश्रण का लक्ष्य प्राप्त करने में भी इससे मदद मिलने की उम्मीद है।

पेट्रोल में 20 फीसदी एथेनॉल मिश्रित करने की केंद्र सरकार की योजना है। इस मौके पर प्रोफेसर स्वेन के साथ जैव रसायन विभाग प्रमुख डॉ. सीमा परोहा तथा एडवांटा सीड्स के तकनीकी सलाहकार डॉ. विलास टोनापी मौजूद रहे। (ब्यूरो)

सच की अहमियत

राष्ट्रीय संस्थान और एडवांटा सीट्स के बीच हुआ ओएमयू हस्ताक्षर

पंकज अवस्थी, सच की अहमियत

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर और एडवांटा सीड्स, हैदराबाद के मध्य कानपुर शर्करा संस्थान में एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। प्रो. डी. स्वाईन, निदेशक, राष्ट्रीय सरकार संस्थान, कानपुर एवं जैव रसायन विभाग प्रमुख, प्रो. (डॉक्टर) सीमा परोहा और डॉक्टर विलास टोनापी, तकनीकी सलाहकार, एडवांटा सीड्स, हैदराबाद की गरिमामयी उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के अधिकारी और एडवांटा सीड्स, हैदराबाद के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

एमओयू की शर्तों के अनुसार राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर और एडवांटा सीड्स हैदराबाद विविध अनाजों से अल्कोहल बनाने के लिए विकल्प के रूप में स्वीट सोरगम और ग्रेन सोरगम के प्रयोग पर सहयोगात्मक अध्ययन करेंगे। इस कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के फॉर्म में स्वीट सोरगम का उत्पादन करना और इसके विभिन्न भौतिक, रासायनिक मापदंडों का अध्ययन करना तथा स्वीट सोरगम और ग्रेन सोरगम के रस से जैव एथेनॉल उत्पादन की क्षमता का अध्ययन करना शामिल होगा। इस सहयोगात्मक अनुसंधान में ग्रेन सोरगम का बीयर उत्पादन की क्षमता के लिए भी अध्ययन किया जाएगा। यह एमओयू भविष्य के लिए एक स्थायी जैव ईंधन की दिशा में विकल्प के रूप में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भारत सरकार के एक अभियान एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (Ethanol Blending Programme) कार्यक्रम के तहत देश में पेट्रोल में एथेनॉल के 20त्न मिश्रण के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद कर सकता है। यह कार्यक्रम अंतरर्राष्ट्रीय मुद्रा बचाने एवं पेट्रोल के आयात में कमी लाने के लिये भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, जिसके तहत लक्ष्य की प्राप्ति पर सरकार काफी जोर दे रही है।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर के निदेशक प्रोफेसर डी. स्वाईन ने संस्थान और एडवांटा सीड्स के बीच संयुक्त रूप से अनुसंधानपरक कार्य के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रो. सीमा परोहा ने एडवांस सीड्स, हैदराबाद सेआए वैज्ञानिकों को धन्यवाद दिया।

राष्ट्रीय सहारा

एनएसआई और एडवांटा सीड्स ने मिलाये हाथ

एनएसआई व सीड्स हैदराबाद के बीच हस्ताक्षरित एमओयू दिखाते अतिथि। फोटो : एसएनबी

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान और एडवांटा सीड्स, हैदराबाद ने महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू के अंतर्गत दोनों संस्थान मिल कर अनाज से अल्कोहल के विकल्प के रूप में स्वीट सोरगम व ग्रेन सोरगम के प्रयोग पर सहयोगात्मक अध्ययन करेंगे।

एनएसआई के निदेशक प्रो. डी स्वाईन व जैव रसायन विभाग प्रमुख डॉ.सीमा परोहा और डॉ. विलास टोनापी, तकनीकी सलाहकार, एडवांटा सीड्स, हैदराबाद की उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर हुये। इस अवसर पर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के अधिकारी और एडवांटा सीड्स, हैदराबाद के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। एमओयू की शर्तों के अनुसार राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर और एडवांटा सीड्स हैदराबाद विविध अनाजों से अल्कोहल बनाने के विकल्प के रूप में स्वीट सोरगम और ग्रेन सोरगम के प्रयोग पर सहयोगात्मक अध्ययन करेंगे। इस कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के फॉर्म में स्वीट सोरगम का उत्पादन करना और इसके विभिन्न भौतिक, रासायनिक मापदंडों का अध्ययन करना व स्वीट सोरगम और ग्रेन सोरगम के रस से जैव एथेनॉल उत्पादन की क्षमता का अध्ययन करना शामिल होगा। इस सहयोगात्मक अनुसंधान में बीयर उत्पादन के लिये ग्रेन सोरगम की क्षमता का अध्ययन किया जाएगा।

यह एमओयू भविष्य के लिए एक स्थायी जैव ईंधन की दिशा में विकल्प के रूप में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भारत

स्थाई जैव ईंधन की दिशा में करेंगे काम

सरकार के एक अभियान एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल कार्यक्रम के तहत देश में पेट्रोल में एथेनॉल के 20 प्रतिशत मिश्रण के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद कर सकता है। यह कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा बचाने एवं पेट्रोल के आयात में कमी लाने के लिये भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, जिसके तहत लक्ष्य की प्राप्ति पर सरकार काफी जोर दे रही है। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर के निदेशक प्रोफेसर डी स्वाईन ने संस्थान और एडवांटा सीड्स के बीच संयुक्त रूप से अनुसंधानपरक कार्य को लेकर प्रसन्नता व्यक्त की।

अमन यात्रा

जैव ईंधन को लेकर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान और एडवांटा सीड्स के बीच में ओ एम यू पर हुए हस्ताक्षर

कहा कि पेट्रोल में 20त्नमिश्रण योजना की ओर संस्थान है अग्रसर

सुशील त्रिवेदी

कानपुर देहात। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर और एडवांटा सीड्स, हैदराबाद ने 25 अप्रैल, 2024 को कानपुर में एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। प्रो. डी. स्वाईन, निदेशक, राष्ट्रीय सरकार संस्थान, कानपुर एवं जैव रसायन विभाग प्रमुख, प्रो. डॉ सीमा परोहा और डॉक्टर विलास टोनापी, तकनीकी सलाहकार, एडवांटा सीड्स, हैदराबाद की गरिमामयी उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर हुये। इस अवसर पर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के अधिकारी और एडवांटा सीड्स, हैदराबाद के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

एमओयू की शर्तों के अनुसार राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर और एडवांटा सीड्स हैदराबाद विविध अनाजों से अल्कोहल बनाने के लिए विकल्प के रूप में स्वीट सोरगम और ग्रेन सोरगम के प्रयोग पर सहयोगात्मक अध्ययन करेंगे। इस कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के फॉर्म में स्वीट सोरगम का उत्पादन करना और इसके विभिन्न भौतिक, रासायनिक मापदंडों का अध्ययन करना तथा स्वीट सोरगम और ग्रेन सोरगम के रस से जैव एथेनॉल उत्पादन की क्षमता का अध्ययन करना शामिल होगा। इस सहयोगात्मक अनुसंधान में ग्रेन सोरगम का बीयर उत्पादन की क्षमता के लिए भी अध्ययन किया जाएगा। यह एमओयू भविष्य के लिए एक स्थायी जैव ईंधन की दिशा में विकल्प के रूप में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भारत सरकार के एक अभियान एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल कार्यक्रम के तहत देश में पेट्रोल में एथेनॉल के 20% मिश्रण के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद कर सकता है। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय मुद्रा बचाने एवं पेट्रोल के आयात में कमी लाने के लिये भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, जिसके तहत लक्ष्य की प्राप्ति पर सरकार काफी जोर दे रही है।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर के निदेशक प्रोफेसर डी. स्वाईन ने संस्थान और एडवांटा सीड्स के बीच संयुक्त रूप से अनुसंधानपरक कार्य के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रो. सीमा परोहा ने एडवांटा सीड्स, हैदराबाद से पधारे वैज्ञानिकों को धन्यवाद ज्ञापित किया। मुख्य अभिकल्पक अखिलेश कुमार पांडेय भी उपस्थित रहे।

सत्य का असर

सत्य का असर समाचार पत्र

26,04,2024 शुक्रवार

Jksingh hardoi मोबाइल नंबर 9956834016

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर और एडवांटा सीड्स, हैदराबाद ने 25 अप्रैल, 2024 को कानपुर में एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर किए हस्ताक्षर

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर और एडवांटा सीड्स हैदराबाद विविध अनाजों से अल्कोहल बनाने के लिए विकल्प के रूप में स्वीट सोरगम और ग्रेन सोरगम के प्रयोग पर सहयोगात्मक अध्ययन करेंगे।

संवाददाता। कानपुर पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर और एडवांटा सीड्स, हैदराबाद ने 25 अप्रैल, 2024 को कानपुर में एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। प्रो. डी. स्वाईन, निदेशक, राष्ट्रीय सरकार संस्थान, कानपुर एवं जैव रसायन विभाग प्रमुख, प्रो. (डॉक्टर) श्रीमती सीमा परोहा और डॉक्टर विलास टोनापी, तकनीकी सलाहकार, एडवांटा सीड्स, हैदराबाद की गरिमामयी उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर हुये। इस अवसर पर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के अधिकारी और एडवांटा सीड्स, हैदराबाद के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। एमओयू की शर्तों के अनुसार राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर और एडवांटा सीड्स हैदराबाद विविध अनाजों से अल्कोहल बनाने के लिए विकल्प के रूप में स्वीट सोरगम और ग्रेन सोरगम के प्रयोग पर सहयोगात्मक अध्ययन करेंगे। इस कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के फॉर्म में स्वीट सोरगम का उत्पादन करना और इसके विभिन्न भौतिक, रासायनिक मापदंडों का अध्ययन करना तथा स्वीट सोरगम और ग्रेन सोरगम के रस से जैव एथेनॉल उत्पादन की क्षमता का अध्ययन करना शामिल होगा। इस सहयोगात्मक अनुसंधान में ग्रेन सोरगम का बीयर उत्पादन की क्षमता के लिए भी अध्ययन किया जाएगा। यह एमओयू भविष्य के लिए एक स्थायी जैव ईंधन की दिशा में विकल्प के रूप में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भारत सरकार के एक अभियान एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (Ethanol Blending Programme) कार्यक्रम के तहत देश में पेट्रोल में एथेनॉल के 20% मिश्रण के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद कर सकता है। यह कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा बचाने एवं पेट्रोल के आयात में कमी लाने के लिये भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, जिसके तहत लक्ष्य की प्राप्ति पर सरकार काफी जोर दे रही है। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर के निदेशक प्रोफेसर डी. स्वाईन ने संस्थान और एडवांटा सीड्स के बीच संयुक्त रूप से अनुसंधानपरक कार्य के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रो. सीमा परोहा ने एडवांटा सीड्स, हैदराबाद से पधारे वैज्ञानिकों को धन्यवाद ज्ञापित किया।(अखिलेश कुमार पाण्डेय) मुख्य अभिकल्पक

iNext

स्वीट सोरगम और ग्रेन सोरगम पर होगी स्टडी

kanpur@inext.co.in

KANPUR (25 April): नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) और एडवांटा सीड्स, हैदराबाद के बीच थर्सडे को एमओयू हुआ. एनएसआई डायरेक्टर प्रो. डी स्वाईन, बायो केमिस्ट्री डिपार्टमेंट की हेड प्रो. सीमा परोहा और डॉक्टर विलास टोनापी ने एमओयू पर साइन किए. एमओयू के अंतर्गत विविध अनाजों से अल्कोहल बनाने के लिए विकल्प के रूप में स्वीट सोरगम और ग्रेन सोरगम के प्रयोग पर सहयोगात्मक अध्ययन करेंगे. इस कार्यक्रम के तहत एनएसआई कानपुर के फॉर्म में स्वीट सोरगम का उत्पादन करना और इसके विभिन्न भौतिक, रासायनिक मापदंडों का अध्ययन करना तथा स्वीट सोरगम और ग्रेन सोरगम के रस से जैव एथेनॉल उत्पादन की क्षमता का अध्ययन करना शामिल होगा. इस सहयोगात्मक रिसर्च में ग्रेन सोरगम का बीयर उत्पादन की क्षमता के लिए भी अध्ययन किया जाएगा.

प्रो. डी स्वाईन, प्रो. सीमा परोहा और डॉ. विलास टोनापी ने एमओयू किया साइन.

National Sugar Institute, Kanpur and the Advanta Seeds, Hyderabad signs a MoU

The National Sugar Institute, Kanpur and the Advanta Seeds, Hyderabad have entered a Memorandum of Understanding (MOU) made at Kanpur on 25th April, 2024. The signing of the MOU took place in the presence of Professor D. Swain, Director, National Sugar Institute, Kanpur, Dr. Seema Paroha, Prof. & Head Bio-Chemistry Division, NSI, Kanpur and Dr. Vilas Tonapi, Technical Consultant, Advanta Seeds, Hyderabad. The occasion was also witnessed by the officers from NSI, Kanpur and the representatives from Advanta Seeds Hyderabad. Under the terms of the MOU, National Sugar Institute, Kanpur and Advanta Seeds Hyderabad will carry out collaborative study on Sweet Sorghum and grain Sorghum for multi yield alcoholic products. Prof. D. Swain, Director, National Sugar Institute, Kanpur given his best wishes for the joint work between the Institute and Advanta Seeds.

दीनार टाइम्स

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर व एडवांटा सीड्स, हैदराबाद ने हाथ मिलाया

स्वीट सोरगम और ग्रेन सोरगम के प्रयोग पर शोध करेंगे

डीटीएनएन | कानपुर

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर और एड्वांटा सीड्स, हैदराबाद ने 25 अप्रैल को कानपुर में एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। प्रो. डी. स्वाईन, निदेशक, राष्ट्रीय सरकार संस्थान, कानपुर एवं जैव रसायन विभाग प्रमुख, प्रो. (डॉक्टर) श्रीमती सीमा परोहा और डॉक्टर विलास टोनापी, तकनीकी सलाहकार, एड्वांटा सीड्स, हैदराबाद की गरिमामयी उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर हुये। इस अवसर पर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के अधिकारी और एड्वांटा सीड्स, हैदराबाद के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। एमओयू की शर्तों के अनुसार राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर और एड्वांटा सीड्स हैदराबाद विविध अनाजों से अल्कोहल बनाने के लिए विकल्प के रूप में स्वीट सोरगम और ग्रेन सोरगम के प्रयोग पर सहयोगात्मक अध्ययन करेंगे। इस कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के फॉर्म में स्वीट सोरगम का उत्पादन करना और इसके विभिन्न भौतिक, रासायनिक मापदंडों का अध्ययन करना तथा स्वीट सोरगम और ग्रेन सोरगम के रस से जैव एथेनॉल उत्पादन की क्षमता का अध्ययन करना शामिल होगा।

इस सहयोगात्मक अनुसंधान में ग्रेन सोरगम का बीयर उत्पादन की क्षमता के लिए भी अध्ययन किया जाएगा।

यह एमओयू भविष्य के लिए एक स्थायी जैव ईंधन की दिशा में विकल्प के रूप में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भारत सरकार के एक अभियान एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (Ethanol Blending Programme) कार्यक्रम के तहत देश में पेट्रोल में एथेनॉल के 20% मिश्रण के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद कर सकता है। यह कार्यक्रम अंतरर्राष्ट्रीय मुद्रा बचाने एवं पेट्रोल के आयात में कमी लाने के लिये भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, जिसके तहत लक्ष्य की प्राप्ति पर सरकार काफी जोर दे रही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर के निदेशक प्रोफेसर डी. स्वाईन ने संस्थान और एड्वांटा सीड्स के बीच संयुक्त रूप से अनुसंधानपरक कार्य के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रो. सीमा परोहा ने एड्वांटा सीड्स, हैदराबाद से पधारे वैज्ञानिकों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान और एडवांटा सीड्स, हैदराबाद के बीच (एमओयू) पर हस्ताक्षर

निष्पक्ष पोस्ट ब्यूरो। कानपुर। उ.प्र।राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर और एडवांटा सीड्स, हैदराबाद ने महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। संस्थान लगातार नई ऊंचाइयों पर जा रहा है देश तथा विदेश सभी जगह पर संस्थान के शोध और टैलेंट ने पूरी दुनिया को अपना लोहा मनवा दिया है प्रो. डी. स्वाईन, निदेशक, राष्ट्रीय सरकार संस्थान, कानपुर एवं जैव रसायन विभाग प्रमुख, प्रो. (डॉ.) श्रीमती सीमा परोहा और डॉ. बिलास टोनापी, तकनीकी सलाहकार, एडवांटा सीड्स, हैदराबाद की गरिमामयी उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर हुये।इस अवसर पर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के अधिकारी और एडवांटा सीड्स, हैदराबाद के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। एमओयू की शर्तों के अनुसार

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर और एडवांटा सीड्स हैदराबाद विविध अनाजों से अल्कोहल बनाने के लिए विकल्प के रूप में स्वीट सोरगम और ग्रेन सोरगम के प्रयोग पर सहयोगात्मक अध्ययन करेंगे।इस कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के फॉर्म में स्वीट सोरगम का उत्पादन करना और इसके विभिन्न भौतिक, रासायनिक मापदंडों का अध्ययन करना तथा स्वीट सोरगम और ग्रेन सोरगम के रस से जैव एथेनॉल उत्पादन की क्षमता का अध्ययन करना शामिल होगा। इस सहयोगात्मक अनुसंधान में ग्रेन सोरगम का बीयर उत्पादन की क्षमता के लिए भी अध्ययन किया जाएगा। यह एमओयू भविष्य के लिए एक स्थायी जैव ईंधन की दिशा में विकल्प के रूप में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भारत सरकार के एक अभियान एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (एईल्लड्ड' इ'ल्ल्रिल्लि ढश्ड्डिशे) कार्यक्रम के तहत देश में पेट्रोल में एथेनॉल के 20% मिश्रण के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद कर सकता है। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय मुद्रा बचाने एवं पेट्रोल के आयात में कमी लाने के लिये भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, जिसके तहत लक्ष्य की प्राप्ति पर सरकार काफी जोर दे रही है। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर के निदेशक प्रोफेसर डी. स्वाईन ने संस्थान और एडवांटा सीड्स के बीच संयुक्त रूप से अनुसंधानपरक कार्य के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रो. सीमा परोहा ने एडवांटा सीड्स, हैदराबाद से पधारे वैज्ञानिकों को धन्यवाद ज्ञापित किया। मीडिया प्रभारी अखिलेश पांडे रहे मौजूद

<u>चेतना विचारधारा</u>

एनएसआई और एडवांटा सीड्स के बीच अल्कोहल बनाने के लिए स्वीट सोरगम और ग्रेन सोरगम के प्रयोग पर होगा अध्ययन

विचारधारा समाचार सेवा

कानपुर।राष्ट्रीय शर्करा संस्थान और एडवांटा सीड्स हैदराबाद के बीच आज एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गये। एनएसआई के निदेशक प्रो. डी. स्वाईन, निदेशक, जैव रसायन विभाग की प्रमुख, प्रो. सीमा परोहा और तकनीकी सलाहकार डॉ. विलास टोनापी की उपस्थिति मे एमओयू पर हस्ताक्षर किए गये। इस अवसर पर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के अधिकारी और एडवांटा सीड्स, हैदराबाद के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।दोनों संस्थान इस एमओयू के तहत विविध अनाजों से अल्कोहल बनाने के लिए विकल्प के रूप में स्वीट सोरगम और ग्रेन सोरगम के प्रयोग पर सहयोगात्मक अध्ययन करेगे। इस कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के फॉर्म में स्वीट सोरगम का उत्पादन करना और इसके विभिन्न भौतिक, रासायनिक मापदंडो का अध्ययन करना तथा स्वीट सोरगम और ग्रेन सोरगम के रस से जैव एथेनॉल उत्पादन की क्षमता का अध्ययन करना शामिल होगा।

बचायी जा सकती है अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा

उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा बचाने एवं पेट्रोल के आयात में कमी लाने के लिये भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, जिसके तहत लक्ष्य की प्राप्ति पर सरकार काफी जोर दे रही है। इस लिए इस दिशा में काम किया जा रहा है। प्रो. डी. स्वाईन ने संस्थान और एडवांटा सीड्स के बीच संयुक्त रूप से अनुसंधानपरक कार्य के लिए शुभकामनाएं दी। प्रो. सीमा परोहा ने एडवांटा सीड्स, हैदराबाद से पधारे वैज्ञानिकों को धन्यवाद दिया।

बीयर उत्पादन की क्षमता पर भी होगा शोध

प्रो. डी स्वाईन ने कहा कि इस सहयोगात्मक अनुसंधान मे ग्रेन सोरगम का बीयर उत्पादन की क्षमता के लिए भी अध्ययन किया जाएगा। यह एमओयू भविष्य के लिए एक स्थायी जैव ईंधन की दिशा मे विकल्प के रूप मे उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भारत सरकार के एक अभियान एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल कार्यक्रम के तहत देश मे पेट्रोल मे एथेनॉल के 20% मिश्रण के लक्ष्य को प्राप्त करने मे मदद कर सकता है।

अल्कोहल के लिए शर्करा संस्थान में होगा शोध

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अल्कोहल बनाने के लिए स्वीट सोरगम और ग्रेन सोरगम के प्रयोग के लिए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में शोध होगा। इसके लिए हैदराबाद की एक निजी कंपनी एडवांटा सीड्स, के साथ संस्थान का एमओयू हुआ है। एमओयू के तहत एथनॉल की मात्रा को भी बढ़ाए जाने पर सहमति बनी है।

शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो. डी. स्वाईन, व जैव रसायन विभाग प्रमुख, प्रो. डॉ सीमा परोहा और एडवांटा सीड्स, हैदराबाद के तकनीकी सलाहकार डॉ विलास टोनापी ने एमओयू में हस्ताक्षर किए। समझौते के तहत विविध अनाजों से अल्कोहल बनाने के लिए विकल्प के रूप में स्वीट सोरगम 'ज्वार' और ग्रेन सोरगम के प्रयोग पर अध्ययन किया जाएगा। शर्करा संस्थान के फॉर्म में स्वीट सोरगम का उत्पादन होगा। स्वीट सोरगम और ग्रेन सोरगम के रस से जैव एथेनॉल उत्पादन की क्षमता का अध्ययन करना भी शामिल होगा। इस अनुसंधान में ग्रेन सोरगम का बीयर उत्पादन की क्षमता के लिए भी अध्ययन किया जाएगा। यह एमओयू भविष्य के लिए एक स्थायी जैव ईंधन की दिशा में विकल्प के रूप में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। पेट्रोल में एथेनॉल के 20 फीसदी मिश्रण के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

एमओयू साइन होने पर संस्थान के निदेशक प्रो. डी. स्वाईन व जैव रसायन विभाग के प्रमुख प्रो. डॉ सीमा परोहा और एडवांटा सीड्स, हैदराबाद के तकनीकी सलाहकार डॉ विलास टोनापी। अमृत विचार

● हैदराबाद की कंपनी के साथ हुआ संस्थान का एमओयू

The Pioneer

NSI, Advanta Seeds sign MoU

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

The National Sugar Institute (NSI) and the Advanta Seeds, Hyderabad, have entered a significant Memorandum of Understanding (MoU) here on Thursday. The signing of the MoU took place in the presence of Professor D Swain, Director, NSI, Dr Seema Paroha, Prof and Head Biochemistry Division, NSI, and Dr Vilas Tonapi, Technical Consultant, Advanta Seeds, Hyderabad. The occasion was also witnessed by the officers from NSI and the representatives from Advanta Seeds, Hyderabad.

Under the terms of the MoU, NSI and Advanta Seeds will carry out collaborative study on sweet sorghum and grain sorghum for multi yield alcoholic products. This will include to grow and study the various physiochemical parameters of harvested sweet sorghum sown at NSI farm and to study the potential of sweet sorghum juice and concentrated sorghum syrup for bio-ethanol production. This collaborative research will also take up study on the potential of sorghum grains for beer production. This MoU is a way forward in promising a sustainable bio-fuel for future, which can help in achieving the target of 20 per cent blending of ethanol in petrol in the country under Ethanol Blended Petrol (EBP) Programme, a drive of Government of India. Prof Swain extended his best wishes for the joint work between the institute and Advanta Seeds.

SUICIDE: A girl committed suicide by hanging herself in Lalpurwa under Derapur police station area of Kanpur Dehat late Wednesday evening on failing to secure first division in Intermediate exams. Ankita of Lalpurwa had passed intermediate exams. She was found hanging in a room. The police rushed to the spot and carried out a probe.

Times of India

Nat'l Sugar Inst signs MoU with Hyd-based firm

TIMES NEWS NETWORK

Kanpur: The National Sugar Institute (NSI), Kanpur has signed an Memorandum of Understanding (MOU) with Advanta Seeds, Hyderabad here on Thursday.

The agreement was signed in presence of NSI director D Swain and its Bio-Chemistry division head Dr Seema Paroha and Advanta Seeds technical consultant Dr. Vilas Tonapi. Officials from NSI, Kanpur and representatives from Advanta Seeds.

As part of the MoU, the NSI and Advanta Seeds will carry out collaborative study on sweet sorghum and grain sorghum for multi-yield alco-

स्वतंत्र चेतना

एनएसआई और एडवांटा सीड्स के बीच अल्कोहल बनाने के लिए स्वीट सोरगम और ग्रेन सोरगम के प्रयोग पर होगा अध्ययन

चेतना समाचार सेवा

कानपुर।राष्ट्रीय शर्करा संस्थान और एडवांटा सीड्स हैदराबाद के बीच आज एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गये। एनएसआई के निदेशक प्रो. डी. स्वाईन, निदेशक, जैव रसायन विभाग की प्रमुख, प्रो. सीमा परोहा और तकनीकी सलाहकार डॉ. विलास टोनापी की उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर किए गये। इस अवसर पर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के अधिकारी और एडवांटा सीड्स, हैदराबाद के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।दोनों संस्थान इस एमओयू के तहत विविध अनाजों से अल्कोहल बनाने के लिए विकल्प के रूप में स्वीट सोरगम और ग्रेन सोरगम के प्रयोग पर सहयोगात्मक अध्ययन करेंगे। इस कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के फॉर्म में स्वीट सोरगम का उत्पादन करना और इसके विभिन्न भौतिक, रासायनिक मापदंडो का अध्ययन करना तथा स्वीट सोरगम और ग्रेन सोरगम के रस से जैव एथेनॉल उत्पादन की क्षमता का अध्ययन करना शामिल होगा।

बचायी जा सकती है अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा

उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा बचाने एवं पेट्रोल के आयात में कमी लाने के लिये भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, जिसके तहत लक्ष्य की प्राप्ति पर सरकार काफी जोर दे रही है। इस लिए इस दिशा में काम किया जा रहा है। प्रो. डी. स्वाईन ने संस्थान और एडवांटा सीड्स के बीच संयुक्त रूप से अनुसंधानपरक कार्य के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रो. सीमा परोहा ने एडवांटा सीड्स, हैदराबाद से पधारे वैज्ञानिकों को धन्यवाद दिया।

बीयर उत्पादन की क्षमता पर भी होगा शोध

प्रो. डी स्वाईन ने कहा कि इस सहयोगात्मक अनुसंधान में ग्रेन सोरगम का बीयर उत्पादन की क्षमता के लिए भी अध्ययन किया जाएगा। यह एमओयू भविष्य के लिए एक स्थायी जैव ईंधन की दिशा में विकल्प के रूप में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भारत सरकार के एक अभियान एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल कार्यक्रम के तहत देश में पेट्रोल में एथेनॉल के 20% मिश्रण के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

Digital News

- राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर मे विविध अनाजों से अल्कोहल बनाने के लिए विकल्पों पर अध्ययन
- कानपुर में एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं
- एन एस आई और एडवांस सीड्स हैदराबाद के बीच एम ओ यू पर हस्ताछर।
- NSI और एडवांटा सीड्स, हैदराबाद के बीच MOU
- राष्ट्रीय संस्थान और एडवांटा सीट्स के बीच हुआ ओएमयू हस्ताक्षर
- एनएसआई और एडवांटा सीड्स के मध्य हुआ एमओयू